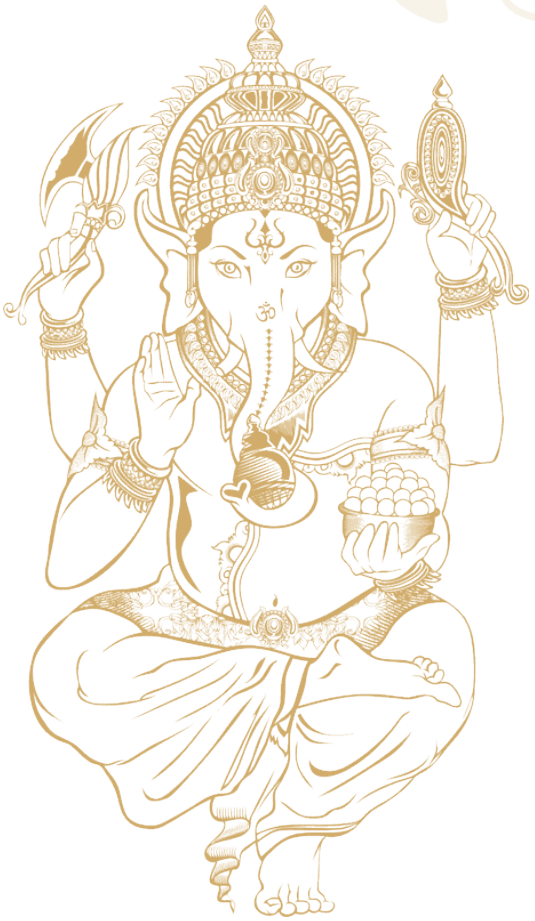

??

09 Mar 2026

11:17 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121529821

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:17:00 घंटे**
इष्ट	11:37:14 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:55:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:33 घंटे
साम्पातिक काल	22:03:37 घंटे
सूर्योदय	06:38:06 घंटे
सूर्यास्त	18:25:43 घंटे
दिनमान	11:47:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:26:09 कुम्भ
लग्न के अंश	21:06:05 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	21:06:05	358:46:12	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	24:26:09	00:59:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	00:53:29	11:57:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	नीच राशि
मंगल		अ	कुंभ	11:00:43	00:47:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	20:51:07	01:00:11	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:52:07	00:00:22	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	09:14:55	01:14:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मीन	08:29:43	00:07:21	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:41:03	00:01:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:41:03	00:01:01	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:42:46	00:01:41	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:07:14	00:02:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:31:19	00:01:29	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	04:32:15	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

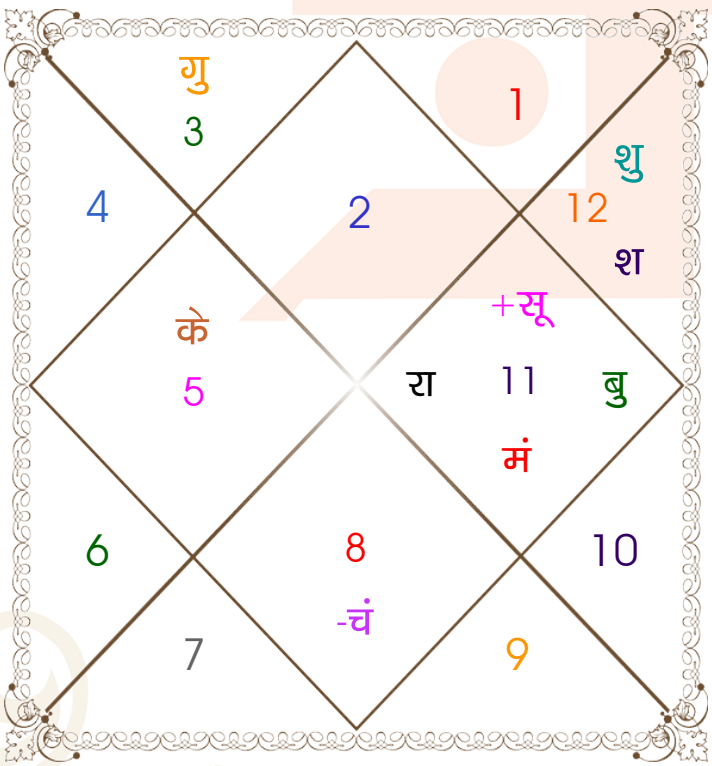

चन्द्र कुंडली

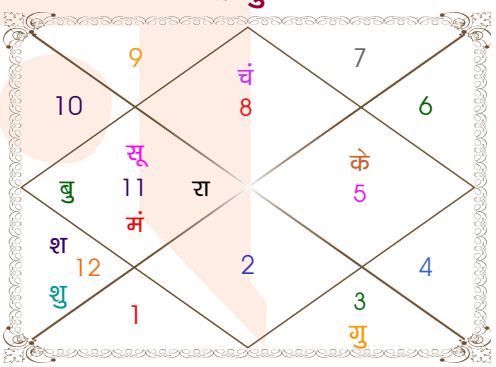

नवमांश कुंडली

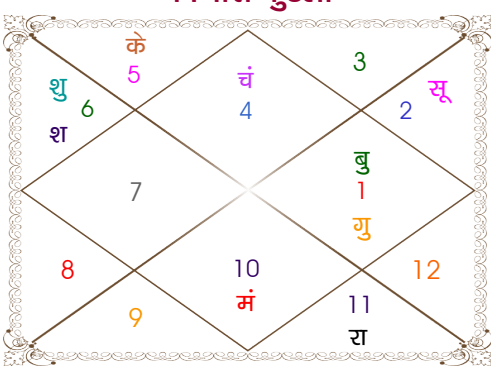

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 11 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/03/2026		11/02/2029		12/02/2048		11/02/2065		12/02/2072	
11/02/2029		12/02/2048		11/02/2065		12/02/2072		12/02/2092	
	00/00/0000	शनि	15/02/2032	बुध	11/07/2050	केतु	10/07/2065	शुक्र	13/06/2075
	00/00/0000	बुध	25/10/2034	केतु	08/07/2051	शुक्र	10/09/2066	सूर्य	13/06/2076
	00/00/0000	केतु	04/12/2035	शुक्र	08/05/2054	सूर्य	15/01/2067	चंद्र	11/02/2078
	00/00/0000	शुक्र	03/02/2039	सूर्य	14/03/2055	चंद्र	16/08/2067	मंगल	14/04/2079
	00/00/0000	सूर्य	16/01/2040	चंद्र	13/08/2056	मंगल	13/01/2068	राहु	13/04/2082
	00/00/0000	चंद्र	16/08/2041	मंगल	10/08/2057	राहु	30/01/2069	गुरु	12/12/2084
	09/03/2026	मंगल	25/09/2042	राहु	27/02/2060	गुरु	06/01/2070	शनि	12/02/2088
मंगल	19/09/2026	राहु	01/08/2045	गुरु	04/06/2062	शनि	15/02/2071	बुध	13/12/2090
राहु	11/02/2029	गुरु	12/02/2048	शनि	11/02/2065	बुध	12/02/2072	केतु	12/02/2092

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/02/2092		11/02/2098		13/02/2108		13/02/2115		12/02/2133	
11/02/2098		13/02/2108		13/02/2115		12/02/2133		00/00/0000	
सूर्य	01/06/2092	चंद्र	13/12/2098	मंगल	11/07/2108	राहु	26/10/2117	गुरु	02/04/2135
चंद्र	30/11/2092	मंगल	14/07/2099	राहु	30/07/2109	गुरु	21/03/2120	शनि	14/10/2137
मंगल	07/04/2093	राहु	13/01/2101	गुरु	06/07/2110	शनि	25/01/2123	बुध	20/01/2140
राहु	02/03/2094	गुरु	15/05/2102	शनि	14/08/2111	बुध	14/08/2125	केतु	26/12/2140
गुरु	19/12/2094	शनि	14/12/2103	बुध	11/08/2112	केतु	01/09/2126	शुक्र	27/08/2143
शनि	01/12/2095	बुध	15/05/2105	केतु	07/01/2113	शुक्र	01/09/2129	सूर्य	14/06/2144
बुध	06/10/2096	केतु	14/12/2105	शुक्र	09/03/2114	सूर्य	27/07/2130	चंद्र	14/10/2145
केतु	11/02/2097	शुक्र	14/08/2107	सूर्य	15/07/2114	चंद्र	26/01/2132	मंगल	10/03/2146
शुक्र	11/02/2098	सूर्य	13/02/2108	चंद्र	13/02/2115	मंगल	12/02/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 11 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।